भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

11.02.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 1900 का उत्तर

इलेक्ट्रिक और डीजल इंजनों के अनुरक्षण पर होने वाला व्यय

1900. श्रीमती मंजू शर्मा:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) रेलवे द्वारा उच्च गति वाले डीजल पर प्रतिवर्ष व्यय की गई धनराशि कितनी है;

(ख) रेलवे द्वारा उपयोग किए जाने वाले डीजल आधारित ईंधन के वार्षिक बीजक की राशि कितनी है;

(ग) भारतीय रेलवे द्वारा इलेक्ट्रिक और डीजल लोकोमोटिव के अनुरक्षण पर अलग-अलग प्रतिवर्ष व्यय की गई धनराशि कितनी है;

(घ) क्या एथेनॉल या बायोडीजल से चलने वाले लोकोमोटिव विकसित और संचालित करना संभव है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): डीजल कर्षण की तुलना में विद्युत कर्षण अधिक पर्यावरण अनुकूल और ऊर्जा कुशल है। तद्नुसार, भारतीय रेल में रेल नेटवर्क का विद्युतीकरण मिशन मोड में शुरू किया गया है। अब तक, लगभग 99.4% बड़ी लाइन नेटवर्क का विद्युतीकरण किया चुका है। शेष नेटवर्क में विद्युतीकरण का कार्य शुरू किया गया है। 2014-25 के दौरान और 2014 से पहले किए गए विद्युतीकरण निम्नानुसार हैं:

अवधि	मार्ग किलोमीटर
2014 से पहले (लगभग 60 वर्ष)	21,801
2014-25	46,900

विद्युतीकरण के बाद, भारतीय रेल में डीजल की खपत में कमी आई है। भारतीय रेल वर्ष 2016-17 की तुलना में वर्ष 2024-25 में डीजल की खपत में 178 करोड़ लीटर की बचत करने में सक्षम रही है, जो 62% की बचत है, इस प्रकार कच्चे तेल पर आयात निर्भरता को कम किया गया है।

भारतीय रेल द्वारा 2024-25 के दौरान कर्षण के लिए कुल ऊर्जा खपत पर खर्च की गई राशि 32,378 करोड़ रुपए है।

भारतीय रेल द्वारा विद्युत और डीजल रेलइंजन के अनुरक्षण पर खर्च की गई राशि का ब्यौरा भारतीय रेल के वार्षिक सांख्यिकीय विवरण में उपलब्ध है, जो भारतीय रेल की वेबसाइट (https://indianrailways.gov.in) पर उपलब्ध है।

रेलवे पर्यावरण और लागत कारणों से इलेक्ट्रिक कर्षण की ओर बढ़ रही है। हालांकि बायो-डीजल पर परीक्षण किए गए हैं, तथापि बायो-डीजल की तुलना में विद्युत कर्षण अधिक लाभकारी है।

******